प्रतिभा और अनुशासन से ही छात्रों में चरित्र का निर्माण होता है.

सैनिक स्कूल विजयपुर में आयोजित ५४वाँ स्थापना–दिवस समारोह में भूतपूर्व छात्र और ब्रिगेडियर गोविन्द कालवाड ने मुख्य अतिथि की भूमिका निभाई है. विद्यालय के प्राचार्य कर्नल तमोजीत बिμास के नेतृत्व में सुबह १०३० बजे अमर शहीदों की श्रद्धांजलि से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ. वरिष्ठ वर्ग के कैडेटों ने मुख्य अतिथि को गार्ड आँफ आनर से सम्मानित किया. कंठि–सभागार में आयोजित रंगा–रंग सांस्कृतिक कार्यक्रम ने प्रेक्षकों का मन मोह लिया. पूरे दर्शक भाव–विभोर हो गए थे. विद्यालय के प्राचार्य कर्नल तमोजीत बिμास ने अपने भाषण में स्कूल की प्रगति और विकास का विवरण प्रस्तुत किया था. मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर गोविंद कालवाड ने प्राचार्य के नेतृत्व की सराहना की है और विभिन्न प्रकार की सेवाओं के लिए छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को विशेष पुरस्कारों से सम्मानित किया था. कैडेटों द्वारा आयोजित निज्ञान और कला की प्रदर्शनशाला देखकर छात्रों के माँ–बाप और सभी दर्शकों ने भूरि–भूरि प्रशंसा की है. मुख्य अतिथि ने वार्षिक–पत्रिका अजीत जर्नल और स्कूल की नई वेब साइट का उद्घाट्न भी किया था. छात्रों से प्रदर्शित योग–विन्यास, सामूहिक–पीटी, एरोबिक्स–विन्यास और घोडों का विन्यास कार्यक्रम का आकर्षण रहा.

वरिष्ठ अध्यापक श्री जी.एस.आर. मूर्ति, शिक्षक–गण, विद्यालय के छात्र और उनके माताजी–पिताजी, भूत–पूर्व छात्र, मीडिया के लोग और सभी कर्मचारी इस समारोह में उपस्थित थे.

BIJAPUR
SAINIK SCHOOL